



# ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE

24, AKBAR ROAD, NEW DELHI  
COMMUNICATION DEPARTMENT

**Highlights of the Press Briefing**

**October 12, 2018**

**Shri Shaktisinh Gohil, Spokesperson AICC and Incharge Bihar addressed the media today.**

श्री शक्तिसिंह गोहिल ने कहा कि ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी को नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएँ।

वोट बैंक की बीमारी से ग्रसित भाजपा, अपनी अपार विफलताओं को छिपाने के लिए, गुजरात से उत्तर भारतीयों को एक सोची समझी साजिश के तहत भगाने का कुत्सित प्रयास कर रही है।

अपनी विफलताओं से ध्यान भटकाने के लिए फासिस्ट भाजपा 'फूट डालो-शासन करो की राह पर!

हताश भाजपा अपनी सरकार की विफलताओं को छिपाने के लिए एक बार फिर भारतीयों के बीच फूट डालो- शासन करो की नीति पर चल पड़ी है। पेट्रोल-डीज़ल की बढ़ती कीमतों पर लगाम लगाने, टूटते रुपये को सम्हालने, खत्म होती नौकरियों और डूबती अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने में असफल हो चुकी केंद्र व राज्य की भाजपा सरकारें गरीबों को मोहरा बनाकर नए विवाद को जन्म दे रही है।

कल, कांग्रेस अध्यक्ष, श्री राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी से राफेल खरीद में हुए घोटाले के बारे में जवाब मांगा था। तेल की बढ़ती कीमतों, टूटते रुपये और खत्म होती नौकरियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने के लिए कांग्रेस सड़क पर उतर आई है। मोदी सरकार के पिछले 4.5 साल विफलता के मापदंड बन गए। निराश किसान सरकार के उत्पीड़न का शिकार हैं। बेरोजगारी पिछले 20 सालों में सबसे ज्यादा है। लोगों की बचत 20 सालों में सबसे नीचे गिर गई है। बैंक लूट घोटालों ने आम लोगों का भरोसा तोड़ दिया है। भाजपा के केंद्रीय मंत्री घोटालेबाजों

को विदेशों को भागने में मदद कर रहे हैं। लोग पीड़ा में हैं और भाजपा को सत्ता से बाहर करने के लिए आगामी चुनावों का इंतजार कर रहे हैं। हर दूसरा सर्वे बता रहा है कि इस बार कांग्रेस की सरकार बनने वाली है। हार सामने देख भाजपा अपने विभाजनकारी एजेंडे का आश्रय लेकर, 'फूट डालो- शासन करो की नीति पर चल पड़ी है।

28 सितंबर, 2018 को उत्तर गुजरात में 14 महीने की बच्ची के बलात्कार की चैंकाने वाली घटना के बाद, कानून व्यवस्था बनाने की जगह भाजपा सरकार ने लोगों का ध्यान भटकाने के लिए सोशल मीडिया पर विहस्पर अभियान चला दिया और उत्तर भारतीयों को चुन-चुनकर राज्य से बाहर निकालने लगे। अहमदाबाद में रेलवे के डिवीजनल प्रबंधक, श्री दिनेश कुमार के अनुसार गुजरात में उत्तर भारतीयों के विरुद्ध हिंसा के परिणामस्वरूप उत्तर भारतीयों के गुजरात से सामुहिक पलायन के कारण गुजरात के पांच रेलवे स्टेशनों से अक्टूबर के प्रथम सप्ताह के दौरान पिछले वर्ष की तुलना में रेलवे यात्रियों की संख्या में 26 प्रतिशत से 137 प्रतिशत की भारी वृद्धि दर्ज की गई।

गुजरात से उत्तर भारतीयों को बाहर निकालने के लिए भाजपा के कुत्सित षडयंत्र का भंडाफोड  
शर्म की बात यह है कि बलात्कार की इस वीभत्स घटना के बाद, हिम्मतनगर के भाजपा विधायक, श्री राजेंद्र चावड़ा ने मीडिया से बात करते हुए भाजपा कार्यकर्ताओं को परामर्श दिया कि उन्हें उत्तर भारतीयों को चुन चुनकर राज्य से बाहर निकाल देना चाहिए, जो अपनी रोजी रोटी की तलाश में गुजरात आते हैं (वीडियो संलग्न)। उन्होंने कहा:-

और एक बात युवाओं की थी, कि फैक्ट्रियों में जो पर प्रांत के लोग हैं पर सरकार ने हाल ही में माननीय विजयभाई ने बताया की कोइ भी फैक्ट्री में 80 प्रतिशत स्थानिक नहीं होंगे, तो ये नहीं चलेगा

और मैंने अभी सबके सामने कहा है की मैं अभी उन फैक्ट्रियों का सर्वे कराऊंगा

उस में कितने स्थानिक है और कितने परप्रांतिय

परप्रांतिय होंगे तो मैं सबके सामने जिम्मेदारी लेता हूं

यहाँ आसपास के पचास गाँवों के लोग है,

और मैं इन लोगों की उपस्थिती में कहता हूं कि

80 प्रतिशत स्थानिक लोगों को रोजगारी नहीं मिली

तो जो कुछ भी करना पड़ेगा, युवाओं के साथ आंदोलन करना पड़े

तो मैं उनके साथ एक टीम के साथ बैठूंगा।  
स्थानिक लोगों को रोजगारी नहीं मिली,  
तो ये चलने नहीं देंगे।

**भाजपा विधायक के बयान से तीन बातें साफ हैं:-**

1. लोगों के दिलों में फैक्ट्री मजदूरों, कर्मचारियों और खेत मजदूरों के खिलाफ नफरत की भावना फैलाने के पीछे और कोई नहीं, बल्कि गुजरात के मुख्यमंत्री, 'विजयभाई' (श्री विजय रूपानी) का हाथ है।
2. ऐसी फैक्ट्रियों का सर्वे वो खुद कराएंगे, जिनमें बाहरी लोगों को नौकरी दी जाती है।
3. यदि स्थानीय लोगों को नौकरी नहीं मिलेगी, तो वो हिंसक विरोध का सहारा लेंगे।

यह न केवल उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश एवं अन्य उत्तर भारतीय राज्यों के लिए खतरे की घंटी है, बल्कि गुजरात में काम कर रहे उत्तर भारतीयों को बाहर निकालने के लिए एक सोची समझी कार्ययोजना है।

गुजराती और उत्तर भारतीयों के बीच तनाव बढ़ाने के एक अन्य मामले में साजिश के तहत सोशल मीडिया पर एक अभियान चलाया जा रहा है। (भाजपा के पदाधिकारियों एवं मोदी समर्थकों के स्क्रीनशॉट संलग्नक ए-1 में संलग्न)

गुजरात के मुख्यमंत्री, रूपानी के लिए यूपी के मुख्यमंत्री, आदित्यनाथ का बयान, जिसमें कहा गया है कि उत्तर प्रदेश के नागरिकों के साथ कोई भी अनैच्छिक घटना नहीं हुई, भाजपा द्वारा खेती जा रही इस साजिश का आखिरी दांव था। इस बयान से भाजपा का पाखंड बिल्कुल साफ हो गया है। भाजपा धर्म, जाति, समुदाय और संप्रदाय के नाम पर देश को सदैव से बांटती आ रही है। भाजपा का दोहरा चाल, चरित्र और चेहरा निम्नलिखित से साफ है:-

1. श्री नरेंद्र मोदी वाराणसी, उत्तर प्रदेश से लोकसभा के चुनाव लड़ते हैं।
2. भाजपा ने उत्तर प्रदेश में 73 सीटें और बिहार से 22 लोकसभा सीटें जीतीं। भाजपा ने राजस्थान और छत्तीसगढ़ में सभी सीटें और मध्यप्रदेश में तीन को छोड़कर सभी सीटें जीतीं। लेकिन फिर भी भाजपा निर्लज्जता से उत्तरभारत के नागरिकों को चुन-चुनकर बाहर निकालने की बात कर रही है।
3. एनआरसी की आड़ में भाजपा असम में अन्य भारतीयों पर भी अत्याचार कर रही है। मेघालय में भाजपा की सरकार बनने के बाद शिलांग में पहली बार पंजाबी सिखों पर हमले हुए।

4. गुजरात में भी भाजपा ने सरदार पटेल द्वारा राज्य में बुलाकर बसाए गए एवं आजादी के समय से रह रहे पंजाबी किसानों को खदेड़कर बाहर निकाल दिया।
5. 8 अक्टूबर, 2018 को भाजपा कार्यकर्ता एवं भाजपा विधायक के नजदीकी सहयोगी ने आनंद की अमूल चॉकलेट फैक्ट्री में काम करने वाले मध्यप्रदेश मूल के निवासियों पर हमला किया। (संलग्नक ए-2 देखें)

वैष्णव जन तो तेने कहिए का उपदेश देने वाले महात्मा गांधी और सरदार वल्लभ भाई पटेल, की भूमि पर ऐसी घटनाएं बड़े ही दुःख की बात हैं। सरदार पटेल ने 540 रियासतों को जोड़कर देश को एकजुट किया था, उनकी भूमि पर भाजपा नेतृत्व इस हद तक गिर गया कि वो विभाजनकारी एवं संप्रदायवाद की राजनीति में लिप्त हो गया। यह देखकर बहुत दुःख होता है। भाजपा की 'फूट डालो- शासन करो की नीति एवं कांग्रेस पार्टी पर दोषारोपण करना इस तरह है कि जैसे, "उल्टा चोर कोतवाल को डांटे!

हमारी मांग है कि:-

1. गुजरात में कानून व्यवस्था तत्काल पुनः बहाल की जाए।
2. इस साजिश तथा व्हिस्पर कैम्पेन की योजना बनाने वाले भाजपा नेताओं पर तत्काल कार्यवाही हो।
3. जिस किसी को भी बलपूर्वक राज्य से बाहर निकाला गया है, उसे वापस लाने एवं क्षतिपूर्ति दिए जाने के लिए गुजरात सरकार तत्काल व्यवस्था करे।
4. मुख्यमंत्री, श्री विजय रूपानी को उनकी संवैधानिक विफलताओं के लिए भाजपा नेतृत्व तत्काल पद से बर्खास्त करे।
5. प्रधानमंत्री मोदी, भारत, खासकर, गुजरात के नागरिकों से माफी मांगें और भाजपा के इस कुत्सित कार्य की नैतिक जिम्मेदारी लें।

**Shri Shaktisinh Gohil said - Cornered on its Massive Failures- A Fascist BJP resorts to -'Divide & Rule' !**

**Violence against North Indian leads to spurt in railway traffic ranging from 26% to 137% !**

A desperate BJP wanting conveniently to hide its abject failures of basic governance has once again adopted its tried and tested policy of dividing Indians. **On back foot for its continued failures in containing skyrocketing Petrol-Diesel prices, a historically devalued Rupee, rampant joblessness and a sinking economy, BJP and its governments in the states act in tandem and target poor people to fan a new controversy.**

**Yesterday, Congress President, Shri Rahul Gandhi asked PM Modi a pointed question on the massive Rafale purchase scam. The Congress is on the streets protesting against rising fuel prices, a plunging Rupee and no jobs. Modi Government's last 4.5 years have been a disaster of epic proportions. Farmers are distressed and are being fired at by BJP. Unemployment is at a 20 year high. Household Savings are at a 20 year low. Bank Loot Scams have shaken the faith of common people. BJP Union Ministers are helping fraudsters flee abroad. People are in pain and ready to vote BJP out in the forthcoming elections in 5 states. Every second survey shows that Congress is winning. Facing an imminent defeat, the BJP and its divisive mindset, is doing what it knows best – Divide and Rule!**

After the shocking incident of rape of a 14 month old girl in North Gujarat on 28<sup>th</sup> September, 2018, instead of maintaining law and order, the BJP Government there, started a whisper campaign on Social Media and on ground to target, chase and force North Indians out from the state leading to large scale migration of people from Gujarat. DRM, Ahmedabad, Shri Dinesh Kumar said that the violence has had an impact on railway traffic too and estimates spurt in exodus of North Indians ranging from 26% to 137% across 5 railway stations in Gujarat in first week of October in comparison to the previous year.

### **EXPOSING BJP's MALACIOUS CONSPIRACY TO EVICT NORTH INDIANS FROM GUJARAT**

**It is shameful that just a day after the gruesome rape, BJP MLA from Himmatnagar, Shri Rajendra Chavda spoke to the people/media and exhorted BJP workers to drive away North Indians who come in search of their bread and butter to Gujarat. (Refer Attached Video). He said :-**

और एक बात युवाओं की थी, कि फैक्ट्रियों में जो परप्रान्त (अन्य प्रदेशों) के लोग हैं पर सरकार ने हाल ही में माननीय विजयभाई (गुजरात के मुख्यमंत्री) ने बताया की कोई भी फैक्ट्री में 80 प्रतिशत स्थानिक (गुजरातवासी) नहीं होंगे, तो ये नही चलेगा और मैंने अभी सबके सामने कहा है कि मैं अभी उन फैक्ट्रीयों का सर्वे कराऊंगा उसमें कितने स्थानिक है और कितने परप्रान्तिय परप्रान्तिय होंगे तो मैं सबके सामने जिम्मेदारी लेता हूं यहाँ आसपास के पचास गाँवों के लोग हैं, और मैं इन लोगों की उपस्थिति में कहता हूँ कि 80 प्रतिशत स्थानिक लोगों को रोजगारी (नौकरी) नहीं मिली तो जो कुछ भी करना पड़ेगा, युवाओं के साथ आंदोलन करना पड़े तो मैं उनके साथ एक टीम के साथ बैठूँगा।

स्थानिक लोगो को रोजगारी नहीं मिली,

तो ये चलने नहीं देंगे।

**There are 3 things that can be inferred from the BJP MLA's statement:-**

- 1) It is none other than the Chief Minister of Gujarat 'Vijaybhai' (Shri Vijay Rupani) who has been fanning the sentiment of xenophobia and incite hatred in the hearts of people against factory workers, labourers and *khetmazdoors*, who contribute to the economy of the state.
- 2) That he will personally get a survey done of such factories that employ outsiders.
- 3) That if local people did not get jobs, he is ready for a violent 'agitation'.

This was not only an open threat to people from Uttar Pradesh, Bihar, Rajasthan, Chhattisgarh Madhya Pradesh and other North Indian states, but also a well-planned strategy to evict such people from working in Gujarat.

Another brazen case of fanning social tensions between Gujaratis and North Indians was a continuous targeted conspiratorial Social Media campaign (**Screenshots of BJP office bearers and Modi supporters are attached as evidence Annexure A1**)

UP CM, Adityanath's statement quoting Gujarat CM, Rupani that nothing untoward happened to the people of Uttar Pradesh, was the last straw in this malicious game which the BJP played. It is highly hypocritical for the BJP to claim this. **BJP is a seasoned culprit in dividing Indians in the name of religion, caste, community and region. It's double face is evident from:-**

1. Shri Narendra Modi fights elections to the Lok Sabha in Varanasi, Uttar Pradesh.
2. BJP won 73 seats in Uttar Pradesh and won 22 Lok Sabha seats from Bihar. BJP won all the seats in Rajasthan and Chhattisgarh and all but three seats in Madhya Pradesh – But still the BJP shamelessly targets the people belonging to these very states.
3. In the name of NRC, BJP targets other vulnerable Indians in Assam. For the first time, Punjabi Sikhs were violently targeted in Shillong, when BJP came to power in Meghalaya.
4. In Gujarat too, BJP evicted Punjabi farmers living since independence, brought in and settled by Sardar Patel; in Kutch and forcefully snatched away their land.
5. On 8 Oct 2018, the key accused, a BJP worker and a close ally of a sitting MLA targeted people working in Amul Chocolate Factory, Anand who belonged to Madhya Pradesh. (**See Annexure A2**)

**A land which has given birth to sons like Mahatma and Sardar Patel who taught us the philosophy of “वैष्णव जन तो तेने कहिये”. Sardar Patel, on the other hand integrated the whole country bringing together 540 princely states, it's unfortunate to see that the present lot of BJP leadership has got down what they know best, and that's politics of divisiveness and sectarianism.**

**BJP's policy of 'Divide & Rule' and blaming the Congress party is like “उल्टा चोर कोतवाल को डांटे”!**

**We demand that:-**

1. Law and Order in Gujarat should be immediately restored.
2. Those BJP leaders who have deliberately planned this conspiracy and whisper campaign should be immediately brought to book.
3. Gujarat Govt should make immediate arrangements to facilitate the return of those who have been evicted forcefully and should be compensated for their losses.
4. CM, Shri Vijay Rupani should be sacked immediately by the BJP leadership for his Constitutional failures.
5. PM Modi should speak up and apologize to the people of India and especially the people of Gujarat, taking moral responsibility of BJP's acts.

**अल्पेश ठाकोर पर भाजपा के आरोपों से संबंधित पूछे एक प्रश्न के उत्तर में श्री सिंह ने कहा कि मैं आपके सवाल का स्वागत करता हूँ। एक तो मैं ये कहता हूँ कि कानून हाथ में अगर किसी ने भी लिया हो, मेरे भाई ने भी लिया हो तो सरकार की जिम्मेवारी है, एफआईआर दर्ज करे, उसको अंदर करे। हम किसी को भी बचाना नहीं चाहते हैं। दूसरी चीज इनकी ये सोची समझी साजिश थी, तो इन्होंने कहीं ना कहीं इसे सोशल मीडिया में चलाया, मैंने सबूत ढूँढे, आपके सामने ये सबूत रखे, क्योंकि मेरा ये पहले से प्लान नहीं था, मुझे ये करना नहीं था। आज जब ये सबकुछ मिला, तब मैं आपसे सामने ये रख रहा हूँ। सच्चाई ये है कि बीजेपी के एक नहीं बल्कि बहुत सारे एमएलए, बहुत सारे लीडर ने एक सोची-समझी साजिश के तहत ये किया था और इसी की वजह से सारी घटनाएं घटी हैं। मैं आज भी कहता हूँ कि आम गुजराती का सर शर्म से झुकता है, क्योंकि ये संस्कार गुजराती के नहीं हैं। ये राजनीति से प्रेरित था और इसकी वजह से ये हुआ है।**

वहीं मैं रिक्वेस्ट करूंगा हर गुजराती से कि आपको कहीं से भी जो सबूत मिलते हैं, किसी भी पार्टी का हो, किसी भी जाति का हो, उसके खिलाफ आप पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट दर्ज कीजिए और जो भी ऐसा काम कर रहा है, उसके खिलाफ आप विटनेस बनिए, ठाकोर सेना कोई पॉलिटिकल ऑर्गनाइजेशन नहीं है। जिसकी बात करते हैं कि जिसको पकड़ा गया, मेरे पास इसकी डिटेल हैं, वो डिटेल मैं आपको दूंगा। उस ठाकोर सेना के अध्यक्ष ने बेल मिलने के बाद थैंक्स किया, हिम्मत नगर के इस भाजपा एमएलए का जिनका वीडियो आपको दिखाया गया, उसने इनको धन्यवाद किया है, जिसकी पोस्ट की एक कॉपी भी मैं आपको दे रहा हूँ। जिसमें उन्होंने बीजेपी एमएलए का धन्यवाद किया है।

एक अन्य प्रश्न पर कि क्या कांग्रेस अध्यक्ष और टॉप लीडरशिप ने इस पूरे मामले पर संज्ञान लिया है, श्री सिंह ने कहा कि बहुत ही गंभीर संज्ञान लिया है। अल्पेश ठाकोर ने खुद अपनी प्रेस वार्ता में कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष श्री राहुल गाँधी ने खुद उनसे फोन पर बात की और आप देखिए कि कांग्रेस अध्यक्ष जी के फोन के बाद सारे सबसिक्वेंट (subsequent) एक्शन अल्पेश के एक के बाद एक कार्यक्रम, स्टेटमेंट उनका, बेटा अस्पताल में गंभीर बीमार था, फिर भी उन्होंने लोगों के बीच में शांति की अपील की। ये हमारे भाई हैं, इन्हें नहीं जाना चाहिए, वो सारी बातें की उन्होंने हैं। कांग्रेस पार्टी और विशेषकर राहुल गाँधी जी कुछ मामलों में बहुत सेंसिटिव हैं, उन्होंने तुरंत ही बात भी की है और इस मामले में कांग्रेस का स्टैंड बिल्कुल साफ है। ऐसी चीजों को हम बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करते हैं और राजनीतिक फायदे के लिए ऐसी चीजों को हम अप्रूव नहीं करते हैं।

रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल जमीरुद्दीन शाह के द्वारा लिखी किताब पर उठे विवाद से संबंधित एक अन्य प्रश्न के उत्तर में श्री सिंह ने कहा कि मैं खुद गुजरात में रहता हूँ और मैंने अपनी आँखों से उन सारी घटनाओं को देखा है। ये आज भी हम देखें तो नींद हराम हो जाए, उस तरह के मामले वहाँ पर हुए थे। अब देखिए भूकंप के बाद केशुभाई पटेल मुख्यमंत्री थे, उनको हटाया गया, नरेन्द्र मोदी जी वहाँ मुख्यमंत्री बनकर आए। वो हाउस में सदस्य नहीं थे, उसके लिए एक जगह खाली करनी थी। हारेन पांड्या ने मना किया कि मैं सीट वेकेट नहीं करूंगा, कर्नाटक के गवर्नर वजुभाई वाला ने राजकोट में एक सीट इनके लिए खाली की। बड़ौदा में जसपाल सिंह जी बीजेपी के एमएलए थे, उन्होंने इस्तीफा दिया, वो सीट खाली हुई थी और साउथ में महुआ में एक बीजेपी के एमएलए की मृत्यु की वजह से सीट खाली थी, मतलब तीन सीटों का बॉय-इलेक्शन था, मोदी जी मुख्यमंत्री थे। तीनों सीट बीजेपी की थी, बॉय-इलेक्शन के नतीजे आए तो तीन में से दो कांग्रेस ने जीत ली, बीजेपी के पास से। बहुत कम वोटों से सिटिंग मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी जी राजकोट से चुनाव जीते थे। माहौल ऐसा था कि चुनाव होगा, नरेन्द्र मोदी मुख्यमंत्री हैं पर गुजरात में बीजेपी की सरकार जाएगी, कांग्रेस की बनेगी। उसके बाद गोदरा की घटना घटती है, उसके बाद रायट्स (दंगे) होते हैं। रायट्स में जो भी अफसर ठीक काम करता है, वह दंडित हुआ। राहुल शर्मा डीएसपी थे, भावनगर के, 382 बच्चे जला दिए जाते, छोटे-छोटे बच्चे। वहाँ वो खुद चले गए, रिस्क लिया, 10,000 की भीड़ को रोका, बच्चे बचाए। सिर्फ यही उनका गुनाह हो गया कि उनको वहाँ से ट्रॉंसफर करके आईबी में डाला गया, इतना परेशान कर दिया गया कि उसने इस्तीफा दे दिया। आज एक



आईपीएस ऑफिसर काला कोट पहनकर वकालत कर रहा है। जिसने भी उस वक्त अच्छा काम किया, सबको punish किया गया। तब की तत्कालीन प्रदेश सरकार ने अगर सही काम होता तो वाजपेयी जी को ये नहीं कहना पड़ता कि नरेन्द्र मोदी, तुम अपना राजधर्म निभाओ। सेना में जिन्होंने दिलोजान से काम करके सेवा की है, वो एक रिटायर्ड सेना के अफसर जिन्हें कोई राजनीति नहीं करनी, कोई लेना-देना नहीं है, अगर उसका दिल बोलता है उस किताब में कि मुझे अगर सही वक्त पर मदद मिली होती तो कम से कम 300 लोग उसी रात में मैं बचा सकता था। मैंने उस किताब को देखा है। ये हालत थे तो सच्चाई तो थी, कि वाजपेयी जी जैसे इंसान का कहना कि कुछ राजधर्म निभाओ, कह तो दिया उन्होंने, पर उनके ऊपर भी हम जानते हैं, बीजेपी में सबसे बड़ी विचारधारा का कंट्रोल किसका होता, शायद वो नहीं कर पाते।

Sd/-  
(Vineet Punia)  
Secretary  
Communication Deptt.  
AICC